12.00 मध्याह्न

भू-आधारित मध्यम दूरी के नाभिकीय प्रक्षेपास्त्रों को नष्ट करने के सम्बन्ध में हुए समझौते के बारे में वक्तव्य

[अनुवाद]

प्रधान मंत्री (श्री राजीव गांधी) : अध्यक्ष महोदय, महासचिव गोर्बाचोव और राष्ट्रीय रीगन के बीच भू-आधारित मध्यम दूरी के नाभिकीय प्रक्षेपास्त्रों को समाप्त करने के सम्बन्ध में कल जो समझौता हुआ है वह निस्सन्देह एक महत्पूर्ण घटना का सूचक है ।

यह सच है कि संयुक्त राज्य अमरीका और सोवियत संघ के पास मिलाकर जितना नाभिकीय शस्त्र भण्डार है उसके सिर्फ तीन प्रतिशत अंश को समाप्त करने की बात इसमें सोची गई है । लेकिन इनका ऐतिहासिक महत्व इस बात में है कि नाभिकीय अस्त्रों को कम करने की दिशा में संसार का यह पहला समझौता है ।

यह इस दृष्टि से भी पहला अवसर है कि संयुक्त राज्य अमरीका और सोवियत संघ नाभिकीय अस्त्रों के समूचे वर्ग को पूरी तरह समाप्त करने के लिए सहमत हुए हैं।

इस समझौते से यह पूरी तरह प्रतिपादित हो गया है कि अगर अपेक्षित राजनीतिक इच्छा हो तो सत्यापन जैसी तकनीकी समस्याओं का समाधान हो सकता है।

इस समझौते को एक शुरूआत से अधिक और कुछ नहीं समझा जाना चाहिए—यह महज एक शुरूआत है, एक ऐतिहासिक शुरूआत है, एक महत्वपूर्ण शुरूआत है, लेकिन है यह सिर्फ शुरूआत ही ।

मानव जाति का जीवन नाभिकीय अस्त्रों की शक्ति पर निर्भर करता है जो इस लम्बे रास्ते पर चलकर नाभिकीय अस्त्रों की पूर्ण समाप्ति की ओर जाता है ।

जैसाकि दिल्ली घोषणा में कहा गया है, संसार तभी वस्तुतः सुरक्षित होगा जबकि,

"आतंक के संतुलन की जगह व्यापक अन्तर्राष्ट्रीय सुरक्षा ले ले ।"

इस समझौते का पूरा विवरण मिलने पर हम दोनों सभाओं के समक्ष और अधिक व्यापक विवरण रखेंगे ।

———

[हिन्दी]

श्री इन्द्रजीत गुप्त (बसीरहाट) : अध्यक्ष महोदय, 15 लाख आदमी बाहर से आए हैं अपनी मांगों को लेकर और गवर्नमेंट के खिलाफ बोलने के लिए··· **(व्यवधान)**

[अनुवाद]

हम यहां पूरे देश से आए लोगों की मांगों को उठाना चाहते हैं ।

(व्यवधान)